वार्षिक रिपोर्ट

सत्र 2012–2013

शिवमंगल शिक्षण समिति

(कार्यक्षेत्र–छत्तीसगढ़ प्रदेश)

Website - www.shivmangalwel.org

Registered under Societies Registration Act - 1973(44) Redgistration No-1370 Date-23 May 2003,
CGState Women and Child Development department Raipur Reg –68-B/3436/wcd/sv/2010 Dt.-10 Dec 2010
IT Act 1961- 12a DATE-09-09-2008 & 80G(V)(I) DATE-17-10-2008,
F.C.R.A. Under Rssistration act 1976,REDG.DATE-31-07-2009
NGO PARTNERSHIP SYSTEM-PLANNING COMMISSION,GOVT.OF INDIA,UNIQUE AGENCY CODE-CG&72009/0001541-DATE-17.JULY.2009

–:पंजीकृत कार्यालयः–
डी/3, शिवमंगल भवन,
सोनगंगा कालोनी, पोस्ट–एस.ई.सी.एल.
सीपत रोड़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।

–:प्रशासनिक कार्यालयः–
मौर्या चेम्बर, मौर्या फेब्रिकेशन के ऊपर,
साइंस कालेज रोड़, चांटीडीह सब्जी मंडी के पास,
चांटीडीह, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।

मोबाईल नम्बर–09424142742, 07752.–258052
ई–मेल–smssociety@gmail.com, smss.jmourya@gmail.com

शिवमंगल शिक्षण समिति बिलासपुर

वार्षिक प्रतिवेदन

2012–13

1. राष्ट्रीय पर्व :– स्वतंत्रता दिवस

(क.) क्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर

(ख.) राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह परियोजना

2. राष्ट्रीय पर्व :– गणतंत्र दिवस

(क.) राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह परियोजना

(ख.) क्राफ्ट सेंटर

3. शासन की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार
4. महिला सशक्तिकरण के लिए समूह गठन एवं प्रशिक्षण
5. क्राफ्ट सेंटर बिलासपुर पिछडा वर्ग के हितार्थ)
6. क्राफ्ट सेंटर बिलासपुर(अनुसूचित जाति वर्ग के हितार्थ)
7. राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह परियोजना
8. बॉस शिल्पकारों के सशक्तिकरण के लिये समूह गठन
9. उज्वला पुनर्वास एवं प्रशिक्षण केन्द्र सर्वेक्षण,आंकलन,समूह चर्चा
10. शिशुघर कार्यकर्ता को शिशुघर संचालन प्रषिक्षण
11. ग्रामीण उपभोक्ता आंकलन एवं जागरूकता कार्यक्रम

शिवमंगल शिक्षण समिति बिलासपुर

वार्षिक प्रतिवेदन

2012–13

राष्ट्रीय पर्व :– स्वतंत्रता दिवस

1. क्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर :–

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से तथा छत्तीसगढ राज्य आदिम जाति कल्याण मंत्रालय रायपुर के सहयोग से, जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति आदिमजाति, अनुसूचित जाति, पिछडा वर्ग कल्याण विभाग बिलासपुर की अनुषंसा से संचालित पिछडा वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण कार्यक्रम **क्राफ्ट सेंटर** में 15 अगस्त 2012 को प्रातः काल प्राचार्य श्रीमती शहनाज खान के द्वारा झण्डा फहराया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार मौर्य,कोषाध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार साहू, सचिव श्री उमेश कुमार मौर्य तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राएँ/महिलाएँ उपस्थित रही है। सामुहिक राष्ट्रगान किया गया। स्वल्पाहार एवं प्रसाद का वितरण किया गया। प्रशिक्षक श्रीमति अंशु मरावी द्वारा उपस्थित जनों का आभार प्रदर्शन किया गया और कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

2. राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह परियोजना :–

केन्द्रिय समाज कल्याण बोर्ड नई दिल्ली द्वारा पोषित एवं छत्तीसगढ राज्य समाज कल्याण बोर्ड रायपुर के अनुदान से **राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह योजना** के अर्न्तगत संस्था द्वारा जिला बिलासपुर के नगरीय क्षेत्र में कामकाजी माताओं के षिषुओं एवं बच्चों के सार्वांगीण विकास के लिए संचालित सभी केन्द्रों में से, केन्द्र क्रमांक 1 चांटीडीह वार्ड क्र. 40 कमला नेहरू वार्ड,चिंगराजपारा,विष्वकर्मा मोहल्ला में प्रमुख कार्यकर्ता कुमारी पुनिया साहु एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमति रजनी साहु के द्वारा। केन्द्र क्रमांक चांटीडीह वार्ड क्र. 41, सुभाष चौक में वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमती रानी

राजपूत, कनिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमती कौशिल्या यादव द्वारा। केन्द्र क्रमांक 3 चांटीडीह वार्ड क्र. 42 चिंगराजपारा में वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमति रोशनी सूर्यवंशी एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमति माया गढेवाल के द्वारा। केन्द्र क्रमांक 48 लम्बोदर नगर, नूतन कालोनी, सरकण्डा में वरिष्ट कार्यकर्ता श्रीमति हेमलता बाघमारे, कनिष्ट कार्यकर्ता कुमारी रितु वैद्य द्वारा 15 अगस्त 2012 को स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सभी केन्द्रों में शिशुओं, बच्चों, अभिभावको, आसापास के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सामुहिक राष्ट्रगान किया गया। उपस्थित जनों को प्रसाद एवं स्वल्पाहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम समाप्त किया गया।

राष्ट्रीय पर्व :– गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस में राष्ट्र के प्रति आस्था की भावना का विकास करने 26 जनवरी 2013 को संस्था द्वारा संचालित सभी **शिशु** गृहों में पृथक पृथक कार्यकर्ताओं के द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया कार्यकर्ताओं, **शिशु**ओं, बच्चों, उपस्थित पालकों के द्वारा सामुहिक राष्ट्रगान किया गया। **शिशु**ओं एवं बच्चों को फल का वितरण आमंत्रित जनों को स्वल्पाहार का वितरण कर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा संचालित क्राफ्ट सेंटर में प्रातः काल प्रचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्त्ता, महिलाएँ, गणमान्य नागरिक तथा संस्था पदाधिकारी उपस्थित रहें है। सामुहिक राष्ट्रगान के बाद स्वल्पाहार एवं प्रसाद का वितरण किया गया और कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार :–

शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि हर उम्र के पुरूषो,महिलाओ,बच्चो के लिए कोई न कोई योजना (एक से अधिक भी) निश्चित रूप से संचालित है, परंतु विडंबना यह है कि बरसों से संचालित ऐसी कई योजनाएँ हैं, जिनकी आम जनता को आज भी पूर्ण जानकारी नही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी चिंतनीय है।

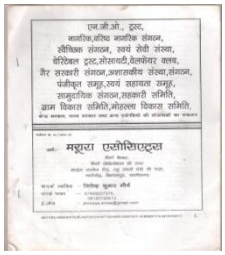

योजनाओ के प्रचार प्रसार के लिए संस्था द्वारा स्वयं के वित्तिय संसाधनो से इस वर्ष भी योजना मार्गदर्षिका का प्रकासन एवं बितरण किया गया

भारत सरकार के मंत्रालयों की **वेबसाइट** में दर्ज योजनाओं तथा छत्तीसगढ राज्य शासन की ओर से प्रकाषित **राहें विकास की 2011** पुस्तक को आधार बनाकर, योजनाओं की सूची तैयार की गई। इसी आधार पर योजनाओं की पुस्तिका तैयार की गई जिसका प्रचार प्रसार एवं निशुल्क वितरण किया गया।

छत्तीसगढ प्रदेश के सभी मंत्रीगण,विधायक गण, सांसद और जनप्रतिनिधियो तक इस पुस्तिका के माध्यम यह प्रयास किया गया कि शासन की कल्याण कारी योजनाए की पहुंच धरातल तक हो सके बनाने संदेश दिया

छत्तीसगढ प्रदेश के सभी प्रशासनिक अधिकारी वर्ग,स्थानीय निकाय जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका निगम, नगर पंचायत के प्रमुख अधिकारी वर्ग एवं निर्वाचित जन प्रतिनिधियो को योजना मार्गदर्शिका निःषुल्क डाक से वितरीत कराया गया।

पंजीकृत संस्थाओं, समाज सेवी संस्थाओं के साथ साथ जिला प्रशासन एव मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, विद्यालयों, महाविद्यालयों, कर्मचारी संगठनों, सामुदायिक संगठनो, स्वसहायता समूहों को पुस्तिका निःशुल्क डाक से वितरण कराया गया।

अन्य प्रदेशो एवं क्षेत्रों में सेवा भावी संस्थाओ की मांग के अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, दिल्ली आदि क्षेत्रों में भी निःशुल्क वितरण किया गया साथ ही साथ संस्था प्रशासनिक कार्यालय में योजना की जानकारी एवं पुस्तिका निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

महिला सशक्तिकरण के लिए समूह गठन :–

जिला बिलासपुर के विकासखण्ड मुंगेली के नगर पंचायत क्षेत्र पडावपारा 2,विनोबा नगर 3,दाउपारा 5,रायपुर रोड 3, गेम्बोपारा 2, मझगॉव 1, रामगढ 3, रिंग रोड 3,पण्डरिया रोड 4,लोरमी रोड 2 में अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कुल 28 स्वसहायता समूह समूहों का गठन कराया गया। प्रत्येक समूहों मे सदस्य संख्या 12 रखा गया प्रत्येक समूहों के पदाधिकारीयों के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। समूह गठन में मीनाक्षी पात्रे, भरत चौरसिया,कृष्ण कुमार साहु का प्रयास सराहनीय रहा है।

समूह संचालन के लिए क्षमता विकास हेतु कौशल उन्नयनः– संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए गठित समूहो को समूह संचालन हेतु क्षमता विकास हेतु कौशल उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कौशल उन्नयन के लिए दाउपारा एवं लोरमी रोड के 2 शिविर मे आयोजित किया गया जिसमे 80 महिलाओ की भागीदारी रही है,विनोबा नगर एवं रिंग रोड के 2 षिविर मे 76 महिलाओ भाग लिया, गेम्बोपारा तथा मझगॉव के षिविर मे 90 महिलाए,रामगढ तथा पडावपारा के 2 षिविर मे 90 महिलाओ की भागीदारी ने भाग लिया

<u>समूहो को स्वरोजगार प्रशिक्षणः–</u> संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए गठित समूहो को स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे स्थानीय संसाधनो की उपलब्धता तथा स्वरोजगार के लिए समूहो की की रूचि का ध्यान रखकर प्रशिक्षण का आयोजन रखा गया।

समूहो की रूचि और कच्चे माल की उपलब्धता तथा स्थानीय बाजार की मांग एवं खपत जानने संस्था कार्यकत्ताओ द्वारा विनोबा नगर, रिंग रोड, गेम्बोपारा, मझगॉव, दाउपारा, लोरमी रोड, रामगढ तथा पडावपारा मे अलग अलग परिचर्चा का आयोजन किया गया। 28 समूह की महिलाओ ने भाग लिया।

परिचर्चा से स्पष्ट हुआ की 21 महिलाए ब्यूटी पार्लर, 30 महिलाएं सिलाई कढाई, 50 महिलाए को अचार बडी, 20 महिलाए पापड एवं नमकीन और आलु चिप्स बनाना का कारोबार करना चाहती है, 40 महिलाए गत्ते का डब्बा बनाने, 20 महिलाए बिन्दी बनाने, 45 महिलाए दोना पत्तल, 30 महिलाए रेडीमेट गारमेंन्ट, 20 महिलाए जूट षिल्प का कार्य 20 महिलाए टेराकोटा षिल्प (प्लास्टर आंफ पेरिस)का कार्य दुग्ध उत्पादन, 40 महिलाए अगरबत्ती बनाने के लिए प्रषिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की स्थापना चाहती है

क्राफ्ट सेंटर मुंगेली :–

संस्था द्वारा दिसंबर 2009 से दिसम्बर 2012 मुगेली नगर पंचायत क्षेत्र में अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण स्वरोजगार सीापना तथा आयसृजन करने वाली प्रशिक्षण क्राफ्ट सेंटर (सिलाई, कढाई, बुनाई) कपडा क्राफ्ट का प्रशिक्षण केन्द्र संचालन जारी है।

प्रषिक्षण केन्द्र में सुबह 8 बजे से 12 बजे तथा दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक 2 बेच लगाए जा रहे है। प्रत्येक बेच में 25 महिला प्रशिक्षार्थी लिए जा रहें है विषेशकर अनुसूचित जाति वर्ग की महिला प्रशिक्षार्थीयों को प्राथमिक दिया गया है अन्य वर्ग के प्रशिक्षार्थियों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली महिला को आय प्रमाण पत्र एव ंबी पी एल कार्ड के आधार पर प्रवेश दिया गया। बार्ड मेम्बर, पंच, सरपंच, तहसीलदार, नायब तहसीलदार द्वारा जारी जाति आमदनी तथा निवास प्रमाण पत्र के आधार पर प्रवेष दिया गया प्रवेष लेने वाले प्रशिक्षार्थियों की उम्र सीमा 15 वर्ष से 35 वर्ष तक रखी गई है।

प्रशिक्षण सत्र नवम्बर से सितंबर कुल 10 माह का सत्र तथा अक्टुबर माह में परीक्षा का आयोजन रखा गया तथा नवम्बर में पिछले वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषणा एवं नये सत्र में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किये गयें आवेदन की जांच परीक्षण उपरान्त प्रशिक्षार्थियों सूची प्रकाशन व प्रवेश दिया गया। प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया।

प्रशिक्षण के प्रामि 4 माह में सिलाई का सघन प्रशिक्षण के अन्तर्गत काज बटन तुरपाई सिलाई के विविध स्वरूप सिलाई के काम आने वाले औजार मशीनों का परिचय, तकनीकी शब्दों का ज्ञान कराया गया। महिलाओं पुरूषों बच्चों के शारीरिक माप कपडों के प्रकार कपडों की कटिंग एवं सिलाई के तरीका का ज्ञान कराया गया।

प्रशिक्षण सत्र में माह में कढाई की विधाओं तरीकों हाथ कढाई मषीन कढाई डिजाईनों से कढाई के तरीका सीखाया गया। कढाई में उपयोगी औजार एवं उसका उपयोग बताया गया।

प्रशिक्षण सत्र के अन्तिम 3 माह में हाथ बनुाई, बुनाई के डिजाईन, हाथ बुनाई के औजार, क्रेशिया, क्रेशिया बुनाई आदि का सचित्र विवरण तथा व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्र के समापन पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक परीक्षा का आयोजन किया गया मुख्य परीक्षक के तौर पर श्रीमती शहनाज खान श्रीमती रेखा ठाकुर परीखाएँ ली गई। परीक्षा परिणाम घोषित कर प्रमाणपत्र का वितरण किया गया।

प्रगति प्रतिवेदन

क्राफ्ट सेंटर

(1 अप्रेल 2012 से 31 मार्च 2013 तक)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहायता से तथा छत्तीसगढ राज्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछडा वर्ग कल्याण विभाग की राज्य स्तरीय स्वैच्छिक संगठनों के सहायतार्थ अनुदान अनुसंशा समिति द्वारा अनुमोदित तथा जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति आदिवासी विकास विभाग बिलासपुर की अनुसंषा से जिले में पिछडा वर्ग की महिलाओं के सषक्तिकरण के लिए क्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर का संचालन जारी रखा गया।

सत्र के प्रारंभ में जिले में क्राफ्ट सेंटर में प्रवेश हेतु योजना का प्रचार प्रसार किया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा, विकासखण्ड मस्तुरी, विकासखण्ड बिल्हा विकासखण्ड तखतपुर क्षेत्र तथा नगरीय क्षेत्र के सभी 55 वार्डो तथा नगर सीमा से लगे ग्रामों में सम्पर्क एवं प्रचार प्रसार किया गया विषेशकर ग्रामीण अंचल एवं नगरीय क्षेत्र में झुग्गी झोपडी तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं वाले क्षेत्र में प्रचार प्रसार का ध्यान दिया गया। क्राफ्ट सेंटर संचालन के मूल उद्देश्यों से जोडने हेतु महिलाओं को जोडने में प्रयास जारी रखा गया।

अप्रेल माह के अन्तिम सप्ताह तक क्राफ्ट सेंटर में प्रवेश हेतु पिछडा वर्ग की कुल 82 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदन परीक्षण उपरान्त जाति प्रमाण पत्र के आधार पर 47 एवं गरीबी रेखा के नीचे के परिवार से 8 आवेदन सही पाये गये। सामान्य साक्षात्कार के बाद कुल 50 हितग्रहियों को प्रशिक्षण हेतु योग्य पाया गया।

मई 2012 से प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण के प्रारंभिक माह में क्राफ्ट क्या है क्राफ्ट का परिचय सिलाई मशीन एवं उपयोग होने वाले औजारों का परिचय, सिलाई के तकनीकी शब्द मशीनों का उपयोग कैसे करें मशीनों का रख रखाव बताया गया।

प्रशिक्षण के दुसरे माह जून में काज का प्रकार, काज बनाना, काज की फिनिशिंग बटन के प्रकार, तुरपाई, तुरपाई का टांका, काज का टांका, सिलाई के विविध स्परूप टांका के सभी प्रकार आदि का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

प्रशिक्षण के तीसरे माह जुलाई से महिलाओं पुरूषों बालक, बालिकाओं, शिशुओं के शारीरिक कद काढी का परिचय एवं माप लेने का तरीका कपडों पर कटिंग हेतु चिन्ह डालना, कपडों की कटिंग करना। गला आस्तिन, बाजू, जेब कालर, कमर आदि का माप कपडों की कटिंग का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

अगस्त माह मे प्रषिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को सिलाई का तरीका, सिलाई से साज सज्जा सिलाई की फिनिसिंग बताया गया। इसी माह में 15 अगस्त 2012 को प्रशिक्षक, प्रशिक्षार्थी, संस्था प्रमुख पालकों, अभिभावकों की उपस्थिति में राश्ट्रभक्ति की भावना का प्रसार करने स्वतंत्रता दिवस का पर्व बडे धूमधाम से मनाया गया। इसमाह में अन्तिम दोनों सप्ताह में शिशुओं, लडकों, लडकियों, महिलाओं, पुरूषों के पोशाक एवं सहायक वस्त्र, शिशुओं के मुलायम जूते,नाईट सूट, बेबीसूट, स्लीपिंग बैग आदि का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दी गई।

सितंबर 2012 से प्रशिक्षार्थियों को स्कर्ट, फ्राक शमीज, कुरता, सलवार, पेटीकोट, ब्लाउस, नाईटसूट, नाईटी, पैजामा, बुषर्ट, जीन्स, बेलबाटम, नेरोकट, सफारी कमीज, का प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे एवं 4थे सप्ताह से पूर्व प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति कराई, त्रुटियों का सुधार, पुनः प्रशिक्षण तथा व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

माह अक्टूबर 2012 से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले को कढाई का प्रशिक्षण के अन्तर्गत कढाई का परिचय, कढाई के प्रकार, कढाई की डिजाईनें कढाई का इतिहास आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान कराया गया। कढाई में उपयोगी औजार, डिजाईन बनाने, उतारने का तरीका, पेपर कपडा कार्बन, ट्रेसिंग पेपर, ट्रेसिंग व्हील आदि का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

माह नवम्बर में विभिन्न प्रकार के कपडों पर डिजाईन उतारने डिजाइनों का प्रिंट तैयार करने, डिजाईनों का चिन्ह डालने आदि का प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न रंगों के धागो का डिजाइनों में उपयोग डिजाइन के लिए रंगीन धागों का चयन का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

माह दिसंबर में कढाई के टांके पेच वर्क का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में ऑवले का टांका, जंजीर कढाई, काज का टांका पोला टांका, कच्छी कढाई, बंगाली टांका, मछली टांका, देशी कढाई टांका, छाया कढाई टांका, पेंच वर्क आदि प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक कार्य कराया गया।

दिसंबर 2012 के अन्तिम सप्ताह में प्रशिक्षुओं को क्रेशिया एवं सलाईयों से बुनाई का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। क्रेशिया एवं धागों से डिजाईन बनाना, धागों से साज सज्जा के समान तैयार करना, परदा, टेबल पर बिछाने का सामान, सजावटी वस्तुए, घरेलू साज सज्जा के लिए सामानों का प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया।

माह जनवरी 2013 से सलाईयों से बुनाई उनी एवं गरम कपडों की बुनाई प्रषिक्षण एवं व्यवहारिक कार्य कराया गया। 10 जनवरी से प्रशिक्षार्थियों को बुनाई मशीन से बुनाई प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। सीधी एवं खडी बुनाई, सीधी उल्टी बुनाई, जंजीर बुनाई, उनी व गरम कपडों की बुनाई, श्वेटर में डिजाईन, डिजाईन का प्रकार डिजाइन बनाने के तरीके, षाल बनाना आादि प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

माह फरवरी में कपडा क्राफ्ट क्या है कपडा क्राफ्ट की डिजाइनें बनाने, सजाने, गढनें के तरीका का प्रषिक्षण एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया गया। परीक्षा से पूर्व अप्रेल 2012 से मार्च 2013 समय में पूर्व दियें गये प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति की गई कोर्स को दुहराया गया।

मार्च 2013 में सैद्धांतिक, व्यवहारिक परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा के अन्तिम दिवस पर मौखिक परीक्षा तर्क परीक्षा लिया गया। मार्च के अन्तिम सप्ताह में परिणाम घोषित किये गये एवं प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

प्रगति प्रतिवेदन

राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशु गृह परियोजना

(1 अप्रेल 2012 से 31 मार्च 2013 तक) भारत सरकार के केन्द्रिय समाज कल्याण बोर्ड नई दिल्ली द्वारा पोशित एवं छत्तीसगढ राज्य समाज कल्याण बोर्ड रायपुर के सहयोग से राजीव गांधी राश्ट्रीय शिशुगृह परियोजना के अन्तर्गत संस्था द्वारा बिलासपुर के नगरीय क्षेत्र में झुग्गी झोपडी बहुल कामकाजी महिलाओं मजदूर बहुल, गंदी बस्ती क्षेत्रों मे रहने वाली कामकाजी माताओं के शिशुओं एवं बच्चों के शैक्षणिक, , शारीरिक, मानसिक एवं उनके सर्वागीण विकास के लिए 4 शिशु केन्द्रों का संचालन जारी रखा गया।

संस्था द्वारा परियोजना की मूल भावना एवं उद्देष्यों को ध्यान में रखकर पूर्व स्थापित क्षेत्र चाटीडीह,चिंगराजपारा के सुभाष चौक,राजीव नगर एवं विश्वकर्मा मोहल्ला एवं सरकण्डा लम्बोदर नगर मे परियोजना जारी रखा गया ।

संचालित सभी शिशुकेन्द्रों का गाईड लाईन के अनुसार संचालन जारी है नियमित पूरक आहार के रूप में मौसमी फल हलुवा, अंकुरित हरामूंग तथा पौष्टीक पूरक आहार का वितरण किया जाता है। शिशुओं एवं बच्चों को समय समय पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा तथा आवष्यकतानुसार दवाओं का वितरण किया जाता है।

शिशुकेन्द्रों के सुचारू रूप सें संचालन सुव्यवस्थित संचालन, स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिष्चित करने, व्यवस्था में सहयोग प्राप्त करने, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढाने के लिए व्यवस्था संचालन समिति का गठन किया गया। आवश्यकतानुसार प्रति 3 माह मे बैठक आयोजित करके विचार विमर्श किया जाता है। सुझाव लिये जातें है तथा व्यवस्था संबंधी मार्गदर्शन लिया जाता है।

संस्था द्वारा संचालित सभी शिशुगृह मे इस वर्ष शिक्षक दिवस,स्वतंत्रता दिवस,गणतंत्र दिवस,एवं गांधी जयन्ती का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ राज्य समाज कल्याणा बोर्ड रायपुर के निर्देशानुसार शिशुगृह कार्यकर्ताओं का मानदेय चेक से जारी रखा गया। कल्याण अधिकारी के सुझाव एवं दिशा निर्देशो का पालन किया गया

बॉस शिल्पकारों क समूह गठन :–

संस्था द्वारा विगत वर्ष में जिला बिलासपुर के नगरीय क्षेत्र, विकासखण्ड बिल्हा, विकासखण्ड तखतपुर एवं विकासखण्ड मस्तुरी कुल 608 बॉस षिल्पकार के परिवार का बेस लाईन सर्वे, सामुदायिक आवष्यकताओं का सर्वेक्षण, उनके सामाजिक, आर्थिक स्थितियों का आंकलन तथा उनके रीति–रिवाज, परम्पराएं, मान्यताए, उनकी कला और क्रियाकलाप का अध्ययन किया गया था। डाटा संग्रहण किया गया था। इन शिल्पकारो के सषक्तिकरण के लिये समूह गठन कराया गया।

उज्वला पुनर्वास एवं प्रशिक्षण केन्द्र

संस्थागत निर्णय एवं सर्वेक्षण, आंकलन, वन टू वन एवं समूह चर्चा से यौन षोशण के पीड़ीतो महिलाओं एवं बच्चो के लिए सुरक्षा गृह/सुधार गृह (आश्रय सह पुनर्वास और प्रषिक्षण केन्द्र) स्थापना/संचालन की संस्थागत तैयारी पूर्ण कर लिया जिसके अन्तर्गत सुरक्षा गृह/सुधार गृह के लिये पर्याप्त,सूविधा जनक, भोजन और आवास के अनुकूल सुरक्षात्मक पहलू का विषेष ध्यान रखते हुये भवन किराये पर प्राप्त किया गया। सुरक्षा गृह/सुधार गृह (आश्रय सह पुनर्वास और प्रषिक्षण केन्द्र) की स्थापना एवं उसके संचालन की तैयारी के लिये यौन व्यवसाय के लिये चिन्हित क्षेत्रो मे लगातार सर्वेक्षण,सत्त सम्पर्क,संवाद,समूह चर्चा, फोकस ग्रुप डिस्कसन आदि कार्यक्रम जारी रखा गया। सुरक्षा एवं संरक्षण, पुनर्वास केन्द्र के लिए आवयक कार्यकत्ताओ की नियुक्ति कर परियोजना का स्थापना करने एवं उसका संचालन प्रारम्भ किये जाने की प्रक्रिया जारी रखा गया।

नगरीय शिल्पकारो का सर्वे कार्यक्रमः– **संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओ द्वारा स्ववित्तिय संसाधनो से नगरीय क्षेत्र की नवोदित प्रतिभाओ को पहचान बनाने, शिल्प से जुडी हुई प्रतिभाओ के अवसर को बढावा देने,शासन की विभिन्न योजनाओ के लाभ दिलाने प्रतिभा को सामने लाने के लिए सर्वे प्रारंम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत शिल्प विधा को समर्पित युवाओ और ऐसे शिल्पकार जो योजनाओ से लाभवंचित है के चिन्हाकन करने और उनके लिए षिल्पी परिचय पत्र बनवाने हेतु कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प जगदलपुर के शिल्पी परिचय पत्र का निर्धारित प्रोफार्मा पूर्ण कराया**

गया साथ ही साथ उनके शिल्पी बीमा सम्बन्धी प्रक्रिया पूर्ण करायी गयी। चिन्हांकन सर्वे से कुल 200 मिश्रित शिल्पकारो का पता चला जो शिल्प के लिए समर्पित है और शासन की योजनाओ से अपरिचित है।

उपभोक्ता कल्याण हेतु जागरूकता संदेश का प्रसारः–

संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओ द्वारा स्ववित्तिय संसाधनो से ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओ कल्याण एवं ग्रामीण उपभोक्ताओ मे जागरूकता के संदेष का प्रचार प्रसार कर्यक्रम किया गया।

संस्था के सामाजिक कार्यकर्ताओ ने जिला मुगेली के ग्रामीण क्षेत्रो मे उत्पाद एवं उपभोक्ता वर्ग मे आंकलन और सर्वेक्षण किया गया जिससे यह बात उीार कर सामने आयी कि ग्रामीण क्षेत्रो मे अषिक्षा, अल्प षिक्षा, हीन भावना,उपभोक्ताओ मे एकता की कमी सामाजिक आर्थिक पिछडापन के कारण ग्रामीण जन गुणवत्ता के आधार पर सही उत्पाद का चयन करने मे असमर्थ, उत्पाद के मूल्यो के आंकलन मे असमर्थ,उत्पादन की तारीख और गुणवता समापन तारीख, ले पाने अथवा पढ पाने मे असमर्थ होते है। जिससे ग्रामीण उपभोक्ता लगभग ठगे जा रहे है। या यू कह ले कि ग्रामीण उपभोक्ताओ को एक लम्बे अरसे से उत्पाद खरीदने मे आर्थिक रूप से हानि उठा रहे है।

संस्था द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार ग्रामीण उपभोक्ताओ की जागरूकता बढाने तथा सही उत्पाद का चयन करने,उत्पाद के सही मूल्य का आंकलन करने, उत्पाद की गुणवत्ता की पहचान करने, उत्पाद के निर्माण और गुणवत्ता समाप्ति तिथि को पढने समझने के ज्ञान का प्रसार करने, उपभोक्ता जागरूकता का संदेष को पम्पलेट,ब्रोसर का वितरण किया गया।

संस्था द्वारा कराये गये सर्वेक्षण मे भरत चौरसिया,मीनाक्षी पात्रे, नेहा मसीह, मुकेश ठाकुर का सहयोग सराहनीय रहा है।